श्री रामावरील हिंदी पदें

पद १३३

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)

या जग मो रघुनाथ तोरे बिन मोरा नहीं कोई रे ।।ध्रु.।। संपत माता पिता कबीला। कुंवर बहेन और भाई रे। अंत समय कोई साथ नहीं आवे। जावे अकेला वोही रे।।१।। झूठी काया झूठी माया। झूठा जगत पसारा रे। मानिक के मन यही समझकर। स्मरत रहो रघुबीरा रे।।२।।